Roll No. : .....

Total No. of Questions : **13**] [Total No. of Printed Pages : **4**

SED–155

B.A./B.Sc. B.Ed. IVth Year Due of Ist Year (Supplementary) Examination, 2022

GENERAL HINDI

Paper - GC–I

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (उत्तर-सीमा **200** शब्द) 10

चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ।

चाह नहीं प्यारी के गल पड़ूँ हार मैं ललचाऊँ

चाह नहीं है सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ।

चाह नहीं है देवों के सिर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।

मुझे तोड़कर हे वनमाली उस पथ पर तुम देना फेंक,

मातृभूमि हित शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक।

अथवा

ओ, प्रिया ऋतुराज ? किन्तु धीरे से आना

यह है शोक स्थान यहाँ मत शोर मचाना।

वायु चले, पर मन्द चाल से उसे चलाना,

दु:ख की आहें संग उड़ा कर मत ले जाना।

कोकिल गावे, किन्तु राग रोने का गावे,

भ्रमर करे गुंजार कष्ट की कथा सुनावे।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (उत्तर-सीमा **200** शब्द) 10

''यद्यपि यह बात सर्वथा सत्य नहीं है तथापि बाह्य स्वच्छता अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहती है, किन्तु सफाई और सजावट को लिफाफियापन का पर्याय न बना देना चाहिए। दुकान की भव्यता के अनुकूल सामान की सुसम्पन्नता भी वांछनीय है। आजकल विशेषीकरण के जमाने में सर्वतोन्मुखी सम्पन्नता तो कठिन है, किन्तु अपने विशेष क्षेत्र की यथा-सम्भव पूर्णता वांछनीय है।''

अथवा

''अजीब तमाशा था। दोनों औरतें रोये जा रही थीं। दोनों एक-दूसरे की दुश्मन, दोनों एक ही बच्चे की माताएँ। बेघर लोगों को न हँसने की तमीज होती है, न रोने की। और कलह का कारण, दुबला-पतला, पित्त का मारा बच्चा, अब भी मुट्ठियाँ भींचे सो रहा था।''

3. 'जागो फिर एक बार' शीर्षक कविता में निराला जी द्वारा व्यक्त भावों को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

(उत्तर-सीमा **500** शब्द) 15

अथवा

'पथ की पहचान' शीर्षक कविता के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए तथा यह कविता पाठकों को क्या सन्देश देती है ?

4. 'गंगा छवि' शीर्षक कविता का सारांश लिखिए। (उत्तर-सीमा **500** शब्द) 15

अथवा

राजस्थान के वीरों, वीर माताओं, वीर बहनों और वीरांगनाओं की बलिदान-गाथा से सम्पूर्ण राजस्थानी साहित्य ओत-प्रोत है, युक्तियुक्त विवेचन कीजिए।

खण्ड-ब

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए : 5

(i) ऊँगलियाँ

(ii) तृकालदर्शी

(iii) पुर्नुत्थान

(iv) रणबाकुरे

(v) संवर्दन

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कर पुनः लिखिए : 5

(i) मेरे पास केवल मात्र एक घड़ी है।

(ii) सारे देश भर में यह बात फैल गई।

(iii) राष्ट्रपति ने पुरस्कार भेंट किए।

(iv) विधि का नियम बड़ा कठोर होता है।

(v) यहा शुद्ध गाय का देशी घी मिलता है।

7. अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी समानार्थक शब्द लिखिए : 5

(i) Arrogance

(ii) Consolation

(iii) Pensive

(iv) Destination

(v) Splendid

8. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए : 5

नारी, त्याग और तपस्या की अद्‌भुत विभूति है। इन्हीं दोनों तत्त्वों के समन्वय से हमारी भारतीय नारी का स्वरूप संगठित हुआ है। नारी जीवन का मूल मन्त्र है—त्याग, और इस मन्त्र को सिद्ध करने की क्षमता उसे प्रदान की है तपस्या ने। हम ठीक-ठीक कह सकते हैं कि उसके जीवन के किस अंश में इस महनीय तत्त्वों के विलास का दर्शन हमें नहीं मिलता है, परन्तु यदि हम उसके पूर्व जीवन को 'तपस्या' का काल तथा उत्तर-जीवन को 'त्याग' का काल मानें तो अनुचित न होगा। नारी के तीन रूप हमें दिख पड़ते हैं—कन्या रूप, भार्या रूप तथा मातृ रूप। कौमार्य काल नारी जीवन की साधनावस्था है और उत्तर काल उस जीवन की सिद्धावस्था है। हमारी संस्कृति के उपासक कवियों ने नारी की इन तीनों अवस्थाओं का चित्रण बड़ी सुन्दरता के साथ किया है।

9. निम्नलिखित का पल्लवन कीजिए : 5

(i) ''करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान''

(ii) ''दय नहीं वह पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं''

10. वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द बताइए : 5

(i) सबसे आगे रहने वाला।

(ii) अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर कही गई बात।

(iii) जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके।

(iv) बरसात बिल्कुल न होना।

(v) जिसकी गहराई का पता न लग सके।

11. निम्नलिखित युग्म शब्दों के अर्थगत अन्तर बताइए : 5

(i) अन्तर-अतर

(ii) अचल - अचला

(iii) आकर - आकार

(iv) करि - कीर

(v) कुल - कूल

12. मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित करवाने हेतु निर्वाचन अधिकारी को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5

(उत्तर-सीमा **100** शब्द)

13. किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : (उत्तर-सीमा **350** शब्द) 10

(i) शिक्षा का महत्त्व।

(ii) ऑनलाइन अध्ययन के लाभ और नुकसान।

(iii) भारत के विकास में विज्ञान की भूमिका।

(iv) शहरी जीवन **बनाम** ग्रामीण जीवन।

(v) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।